आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 48 | उज्जैन, बुधवार 08 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

बिजली के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को बनायें आदर्श राज्य-मुख्यमंत्री

उपभोक्ताओं पर बगैर बोझ बढ़ाये सब्सिडी का भार करें कम मुख्यमंत्री ने की ऊर्जा विभाग की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बिजली के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को आदर्श राज्य बनायें। ऐसी कार्य-योजना बनायें कि उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ाये बगैर बिजली सब्सिडी का भार कम किया जा सके। उन्होंने यह निर्देश मंत्रालय में ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों के क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य को गति दें। इससे होने वाले लाभों के बारे में उपभोक्ताओं को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जले एवं खराब वितरण ट्रांसफार्मरों को समय-सीमा में बदला जाये।

जल्द स्वीकृत होगी संगठनात्मक संरचना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिये सभी बिजली कम्पनियों की संगठनात्मक संरचना (ओ.एस.) का प्रस्ताव प्रस्तुत करें। जल्द ही इसे स्वीकृत किया जायेगा।

30 लाख किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जायेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 30 लाख किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लक्ष्य को पूरा करने के लिये सुनियोजित कार्य-योजना बनायें। इसकी समय-सीमा तय होना चाहिये। इससे बिजली सब्सिडी में भी कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध करायें।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने संगठनात्मक संरचना स्वीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ट्रांसफार्मर एवं बिजली लाइनों के मेंटीनेंस की कार्य-योजना बनाने और अवैध बस्तियों में रहने वाले लोगों को बिजली कनेक्शन देने की बात कही।

12 लाख 57 हजार स्मार्ट मीटर लगाये गये

बैठक में बताया गया कि आरडीएसएस योजना में 12 लाख 57 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा 6 लाख 70 हजार 644, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा 77 हजार 100 और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा 5 लाख 9 हजार 338 स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। बैठक में अटल गृह ज्योति, अटल किसान ज्योति योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिये गये।

एक ही नंबर पल्टे की दो कार, ताज होटल के सामने खड़ी थीं दोनों गाड़ियां...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के विश्व प्रसिद्ध ताज होटल के बाहर सोमवार को एक ही नंबर की दो कार खड़ी मिलीं। सफेद रंग की दोनों कार पर पीले रंग की नंबर प्लेट लगी थी। दोनों गाड़ियां पर एमएच 01 ईई 2388 नंबर दिखा। 26/11 के आतंकी हमले के दौरान ताज होटल को निशाना बनाया गया था इसलिए इस इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। इसके बावजूद एक ही नंबर की दो कारें मिलने पर तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी गई।

पुलिस ने दोनों कारों को कोलाबा पुलिस स्टेशन लाकर जब ड्राइवरों से पूछताछ की पता चला कि माजरा क्या है। दरअसल मुंबई के एक कैब ड्राइवर ने अपनी नंबर प्लेट में फर्जीवाड़ा करके कार लोन की किस्त से बचने के लिए फर्जी नंबर प्लेट लगा लिया था। आरोपित ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि उसने कर्ज वसूली एजेंटों से बचने के लिए कार के नंबर के अंतिम अंक को 8 में बदल दिया था। आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसकी कार का रजिस्ट्रेशन नंबर एमएच 01 ईई 2383 है। पुलिस ने बताया कि कहा कि आरोपित ड्राइवर प्रसाद चंद्रकांत कदम ने कार खरीदने के लिए लोन लिया था, लेकिन किस्त नहीं चुका पा रहा था।

विदेशों में छिपे भगोड़ों की अब खैर नहीं, अमित शाह ने लॉन्च किया भारतपोल पोर्टल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार (07 जनवरी) को सीबीआई द्वारा तैयार किये गए भारतपोल पोर्टल को लॉन्च किया। सीबीआई द्वारा तैयार भारतपोल पोर्टल सभी राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच विदेश में बैठे अपराधियों को ढूंढकर लाने की कार्रवाई का रियल टाइम जानकारी साझा करना सुनिश्चित करेगा।

दरअसल विदेश में रहने वाले वांछित अपराधियों को ढूंढने के लिए इंटरपोल से नोटिस जारी करना होता है। भारत में इंटरपोल की इकाई के रूप में सीबीआई काम करती है। इसीलिए सभी राज्यों, केंद्र प्रदेशों और केंद्रीय एजेंसियों को वांछित अपराधियों को ढूंढने के लिए सीबीआइ के मार्फत इटरपोल तक पहुंचना होता है।

पत्रों, ईमेल, फैक्स की झंझट होगी समाप्त - केंद्र, राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों के स्तर पर यह समन्वय इंटरपोल लाइजन ऑफिसर के माध्यम से किया जाता है, जो अपने-अपने संगठनों में पुलिस अधीक्षकों, पुलिस आयुक्तों और शाखा प्रमुखों से जुड़े होते हैं।

अब रिश्ते सुधारने में जुटे मुइज्जू; भारत की यात्रा पर आ रहे मालदीव के रक्षा मंत्री, क्या है प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और मालदीव के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून बुधवार से भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आएंगे। मौमून राष्ट्रीय राजधानी में कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

मालदीव के मंत्री की यह यात्रा चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की मांग के बाद भारत द्वारा द्वीप राष्ट्र से अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने के आठ महीने बाद हो रही है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 8 जनवरी को नई दिल्ली में मौमून के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

इन मुद्दों पर होगी बात- दोनों मंत्री मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बलों की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के लिए ट्रेनिंग, अभ्यास पर बात करेंगे।

रक्षा परियोजनाओं सहित द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने इस मामले में ये भी बताया, मालदीव भारत की पड़ोसी पहले नीति में एक विशेष स्थान रखता है, जिसका उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि लाना है।

दोनों देश आईओआर की सुरक्षा बनाए रखने में प्रमुख खिलाड़ी हैं, इस प्रकार क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (एसएजीएआर) के भारत के दृष्टिकोण में योगदान दे रहे हैं।

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत, लोकपाल ने की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकपाल ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के विरुद्ध कथित भ्रष्टाचार की शिकायत को अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के कारण खारिज कर दिया है। यह शिकायत 18 अक्टूबर, 2024 को दाखिल की गई थी तब जस्टिस चंद्रचूड़ प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) थे। शिकायत में खास राजनेताओं व राजनीतिक दलों को लाभ पहुंचाने व बचाने के लिए पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था जो भ्रष्टाचार सरीखा है।

10 नवंबर को सेवानिवृत्त हुए जस्टिस चंद्रचूड़- जस्टिस चंद्रचूड़ 10 नवंबर को सेवानिवृत्त हुए थे। लोकपाल ने अपने तीन जनवरी के आदेश में विस्तार से पड़ताल की कि क्या पदासीन सीजेआई या सुप्रीम कोर्ट का कोई न्यायाधीश लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम की धारा-14 के दायरे में आता है, लेकिन 382 पृष्ठों की शिकायत में शामिल विविध आरोपों पर विस्तारपूर्वक चर्चा से परहेज किया।

शिकायतकर्ता अन्य विकल्प अपनाने को स्वतंत्र- लोकपाल चेयरपर्सन जस्टिस एएम खानविलकर और पांच अन्य सदस्यों की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता कानून के तहत अन्य विकल्प अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने आरोपों की मेरिट पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। लोकपाल ने अधिनियम की धारा-14 के तहत विभिन्न प्रविधानों की पड़ताल की। इसमें लोकपाल के क्षेत्राधिकार में प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद, ग्रुप ए, बी, सी व डी के अधिकारी और केंद्र सरकार के अधिकारी शामिल हैं।

आपराधिक मामले में जमानत के बाद विदेशियों को न छोड़ने दें भारत, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि उन विदेशियों को भारत छोड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जिन पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि किसी विदेशी को जमानत देते समय अदालत को राज्य या अभियोजन एजेंसी को निर्देश जारी करना चाहिए कि वह विदेशियों के पंजीकरण नियमों के तहत संबंधित पंजीकरण अधिकारी को आदेश के बारे में तुरंत सूचित करे।

मनमोहन सिंह से पहले बनेगी प्रणब मुखर्जी की समाधि, शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पीएम मोदी को कहा थैंक्स

नई दिल्ली। कांग्रेस की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की याद में समाधि की मांग के बीच सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के लिए पहले समाधि बनाने का फैसला किया है। एक जनवरी को केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी।

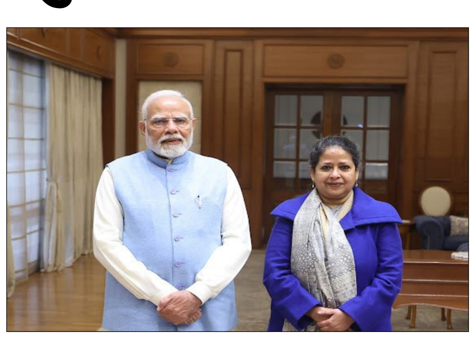

दरअसल, बिना किसी मांग के सरकार द्वारा समाधि बनाने के फैसले पर खुशी जताते हुए शर्मिष्ठा मुखर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर इसके लिए आभार जताया। ध्यान देने की बात है कि मोदी सरकार 2019 में प्रणब मुखर्जी को देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित कर चुकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजघाट के नजदीक बनाए गए राष्ट्रीय स्मृति स्थल में प्रणब मुखर्जी की समाधि के लिए जमीन की पहचान कर ली गई है। समाधि स्थल की पहचान करने के बाद शर्मिष्ठा मुखर्जी को सूचित किया गया। प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति बनने के पहले इंदिरा गांधी से लेकर मनमोहन सिंह की सरकार में अहम मंत्रालयों के मंत्री रह चुके हैं। वहीं, शर्मिष्ठा मुखर्जी अपने पिता प्रणब मुखर्जी को कांग्रेस में उचित सम्मान नहीं मिलने को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार हमलावर रही हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद प्रणब मुखर्जी कई बार प्रधानमंत्री मोदी के काम करने के तरीके और जुनून की तारीफ कर चुके थी।

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पीएम मोदी को कहा थैंक्स

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता के नाम पर समाधि की जानकारी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इससे हो रही खुशी को वह शब्दों में बयान नहीं कर सकती है। उनके अनुसार यह प्रधानमंत्री मोदी की उदारता और बड़प्पन है कि उन्होंने बिना मांग के भी पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर समाधि बनाने का फैसला किया।

इसके अलावा शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस की ओर से मनमोहन की समाधि की मांग पर कटाक्ष भी किया। उनके अनुसार प्रणब मुखर्जी हमेशा कहते थे कि सरकारी सम्मान कभी नहीं मांगना चाहिए, इसे स्वतः ही आना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम पर भी समाधि बनाने का भरोसा दिया है। सरकार के अनुसार इसके लिए ट्रस्ट के गठन के बाद जल्द ही भूमि की पहचान और आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इमरान खान पर तोशाखाना में उपहार जमा न करने के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने फैसला सुनाया है कि सऊदी क्राउन प्रिंस द्वारा उपहार में दिए गए बुलगारी आभूषण सेट को जमा करने में विफल रहने के कारण पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर संशोधित तोशाखाना नियमों के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। इसकी जानकारी डॉन की रिपोर्ट में दी गई है।

न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब ने 14 पन्नों के विस्तृत फैसले में कहा कि राज्य के खजाने में उपहार जमा न करने पर दंड लगाने वाले 2023 के संशोधनों को पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि 2018 के तोशाखाना नियमों के तहत केवल रसीद जमा करना अनिवार्य था, उपहार नहीं।

संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की थी, जिसमें उन पर आभूषणों का कम मूल्यांकन करने और राष्ट्रीय खजाने को 32.8 मिलियन रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था।

हालांकि, अदालत ने कहा कि कम मूल्यांकन प्रक्रिया के संबंध में खान की ओर से ÷सीधे धमकी या दबाव÷ के कोई आरोप नहीं थे। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि खान ने आवश्यक रसीद जमा करके 2018 के नियमों का पालन किया और अदालत को इसके विपरीत कोई सबूत नहीं मिला।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति औरंगजेब ने सुनवाई में काफी देरी होने का उल्लेख करते हुए कहा कि खान को चार महीने से अधिक समय तक हिरासत में रखने के बावजूद अभी तक उन पर अभियोग नहीं लगाया गया है।

पहले जांच को राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने पूरा किया था, जिसके बाद एफआईए को ये जांच सौंप दी गई थी, लेकिन ट्रायल कोर्ट के हाथ कुछ नहीं लगा। अदालत ने जमानत की शर्तों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया, खान को सभी सुनवाई में उपस्थित होने की आवश्यकता बताई और चेतावनी दी कि जमानत का दुरुपयोग करने पर इसे रद्द किया जा सकता है।

तोशाखाना मामले को संभालने वाली विशेष अदालत में, एफआईए अभियोजक ने तोशाखाना अनुभाग अधिकारी बिन यामीन से जिरह पूरी की, जबकि कैबिनेट डिवीजन के समन्वय विंग के उप सचिव मोहम्मद अहद ने भी गवाही दी। सत्र के दौरान कुल तीन गवाहों ने गवाही दी और 8 जनवरी को होने वाली अगली सुनवाई के लिए अभियोजन पक्ष के चार और गवाहों को बुलाया गया है।

इसके अलावा, खान से जुड़े 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार मामले में बहुप्रतीक्षित फैसला जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा की अनुपस्थिति के कारण फिर से टल गया है। यह फैसला, जिसे पहले 18 दिसंबर को सुरक्षित रखा गया था, अब 13 जनवरी को आने की उम्मीद है।

जाह्नवी कंडुला मौत मामले में सिएटल अधिकारी नौकरी से बर्खास्त, साल 2023 में सड़क पार करते समय हुई थी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिएटल में पुलिस वाहन दुर्घटना में भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत के करीब एक साल बाद, जिम्मेदार अधिकारी केविन डेव को सिएटल पुलिस विभाग से निकाल दिया गया है।

23 वर्षीय कंडुला, जो मूल रूप से आंध्र प्रदेश की रहने वाली थी, 23 जनवरी, 2023 को सड़क पार करते समय घातक रूप से घायल हो गई थी।

ड्रग ओवरडोज की कॉल का जवाब देते हुए अधिकारी डेव 74 मील प्रति घंटे (लगभग 119 किमी/घंटा) की गति से गाड़ी चला रहे थे, जब उनके गश्ती वाहन ने कंडुला को टक्कर मार दी, जिससे वह 100 फीट दूर जा गिरी।

अंतरिम सिएटल पुलिस प्रमुख सू राहर ने डेव को नौकरी से निकालने के फैसले की घोषणा की, जब सिएटल पुलिस जवाबदेही कार्यालय ने निर्धारित किया कि उन्होंने चार विभागीय नीतियों का उल्लंघन किया है।

सोमवार को द सिएटल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिम सिएटल पुलिस प्रमुख सू राह ने कहा कि उन्होंने डेव को सिएटल पुलिस विभाग से निकाल दिया है। रिपोर्ट में राहर द्वारा कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल का हवाला देते हुए कहा गया है कि उन्होंने सोमवार को डेव को नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि सिएटल पुलिस जवाबदेही कार्यालय ने पाया कि उसने विभाग की चार नीतियों का उल्लंघन किया था।

कंडुला की मौत पर हंसने वाले अधिकारी को भी किया था बाहर

बता दें कि कुछ महीने पहले सिएटल के एक अन्य पुलिस अधिकारी डेनियल ऑडरर को कंडुला की मौत के बाद उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों और हंसी के कारण नौकरी से निकाल दिया गया था।

कनाडा का नया पीएम कौन, पियरे पोइलीवेरे पर सट्टा बाजार में लग रहा भाव; भारत से कैसा रिश्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। अब सभी की निगाहें पियरे पोइलीवरे पर हैं जो कंजर्वेटिव पार्टी के नेता हैं। ऐसा अनुमान है कि पियरे कनाडा के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। कनाडा के सट्टा बाजार में पियरे को लेकर भाव भी तेज हो गया है। पॉलीमार्केट नाम के प्लेटफॉर्म पर यूजर्स पियरे पर 90 फीसदी भाव लगा रहे हैं। पोइलीवेरे खुद भी कनाडा के अगले प्रधानमंत्री बनने के प्रति आश्वत दिखाई दे रहे हैं। ट्रूडो के इस्तीफे के बाद उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था कि लिबरल्स मतदाताओं को बरगलाने की कोशिश कर रहे थे। 45 साल के पियरे का जन्म कैलगरी में हुआ था और उन्होंने वहीं पर इंटरनेशनल रिलेशंस में डिग्री हासिल की। पियरे की राजनीतिक यात्रा साल 2004 में शुरू हुई, जब वह कंजर्वेटिव पार्टी के लिए सांसद चुने गए। वह स्टीफन हार्पर के प्रधानमंत्री रहने के दौरान सीनियर कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। पियरे अपनी पत्नी अनायडा और दो बच्चो, वैलेंटीना और क्रूज के साथ ग्रीली के पूर्वी ओंटारियो में रहते हैं। ऐसे में एक सवाल यह भी उठ रहा है कि अगर पियरे कनाडा के प्रधानमंत्री बनते हैं तो भारत के साथ कनाडा के संबंध कैसे रहेंगे। उनसे जुड़े कुछ विवाद हैं, जो भारत के साथ संबंधों पर असर डाल सकते हैं। अक्टूबर 2024 में उन्होंने पार्लियामेंट हिल में दिवाली सेलिब्रेशन के कार्यक्रम रद्द कर दिए थे।

कोरोना लॉकडाउन पर जिनपिंग सरकार की बर्बरता पर बनाई फिल्म, चीन के फिल्म निर्माता को 3 साल की जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में कोरोना काल के दौरान कोविड लॉकडाउन के खिलाफ हुए प्रदर्शन और विरोध को कुचलने के लिए शी जिनपिंग सरकार के ऐक्शन को लेकर शख्स ने डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। चीन की सरकार की पोल खोलने वाली फिल्म बनाने को लेकर फिल्म निर्माता को तीन साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है। रॉयटर्स ने चीन के मानवाधिकार समाचार वेबसाइटों के हवाले से इस खबर की पुष्टि की है। उन्हें चीनी सरकार के आदेश में दो बार गिरफ्तार किया गया।

दरअसल, चीन में कोरोना लॉकडाउन के दौरान शी जिनपिंग ने जीरो कोविड नीति लागू की थी। लोगों को घरों में कैद कर दिया गया और दो साल तक लोग कैद बनकर रहे। इस दौरान कथित तौर पर कई मौतें हुईं। लोगों के व्यवसाय बंद हो गए, भुखों मरने की नौबत आ गई। नवंबर 2022 में चीन की जीरो-कोविड नीतियों के खिलाफ लोग सड़क पर उतर आए और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इस्तीफे की मांग करने लगे। इस दौरान ली कियांग, जो बाद में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की पोलित ब्यूरो स्थायी समिति में नंबर 2 पर पहुंचे, ने उस समय विरोध को दबाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

तिब्बत में एक के बाद एक भूकंप के कई झटके, इमारतें धराशायी होने से अब तक 95 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को तिब्बत में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई है। चीन की सरकारी मीडिया के मुताबिक, अब तक 95 लोगों ने अपनी जान गंवा दी है, वहीं करीब 130 लोग घायल हैं।

मंगलवार सुबह करीब 9ः05 बजे तिब्बत के डिंगरी काउंटी इलाके में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र 28.5 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 87.45 डिग्री पूर्वी देशांतर पर पाया गया। यह जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

नेपाल में भी महसूस हुए झटके- भूकंप के झटके नेपाल में भी महसूस किए गए। लोग अपने घरों को छोड़कर बाहर की तरफ भागे। नेपाल के कई जिलों में लोगों को भूकंप के झटके महसूस हुए। काठमांडू के लोग काफी दहशत में आ गए। सड़क पर बिजली के खंभे और पेड़ हिलते हुए देखे गए।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, सुबह 7 बजे के लगभग 4 से 5 तीव्रता के 6 से अधिक झटके आए। इन भूकंप के झटकों ने 2015 में नेपाल में आए भूकंप की याद ताजा कर दी, जिसमें करीब 9000 लोगों की मौत हुई थी।

भारत में भी दिखा असर- भूकंप का असर भारत में भी देखा गया। बिहार, असम, बंगाल और सिक्किम में भी धरती डोली। बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, मोतिहारी, बेगूसराय, मुंगेर, शिवहर और सारण में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

बंगाल के मालदा और कुछ और इलाकों में भी झटके महसूस किए गए। तिब्बत में रुक-रुककर भूकंप के झटके आ रहे हैं।

एक अफसोस रह गया..., 9 साल पीएम रहने के बाद जस्टिन ट्रूडो को किस बात का पछतावा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के 23वें प्रधान मंत्री और एक दशक से अधिक समय तक लिबरल पार्टी के नेता रहे जस्टिन ट्रूडो ने अपने इस्तीफे का एलान किया है। लगभग 9 साल तक अपने कार्यकाल में रहने के बाद ओटावा में एक खचाखच भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, 53 साल के नेता ने अपनी उपलब्धियों, चुनौतियों और एक अनोखे अफसोस पर भी बात की। जस्टिन ट्रूडो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, इस साल देश में होने वाले आम चुनाव से पहले उन्हें पद छोड़ना पड़ा है। इस वजह से उन्हें एक बात का पछतावा रह गया। देश को अगले चुनाव में एक सही विकल्प मिलना ही

चाहिए-ट्रूडो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपना बयान दिया। अगर मुझे किसी बात का पछतावा है, खासकर जब हम इस चुनाव के करीब पहुंच रहे हैं। तो मैं चाहता हूं कि हम इस देश में अपनी सरकारों को चुनने के तरीके को बदल सकें ताकि लोग एक ही बैलेट पेपर पर अपना दूसरा या तीसरा विकल्प चुन सकें। उन्होंने कहा वो चुनाव की प्रक्रिया में बदलाव चाहते हैं। ट्रूडो ने आगे कहा, देश को अगले चुनाव में एक सही विकल्प मिलना ही चाहिए। जब उन्होंने 2015 में लिबरल्स को पहली बार जीत दिलाई, तो ट्रूडो को एक प्रगतिशील की मशाल लेकर चलने वाला बताया गया। ट्रूडो ने कई वादे किए जलवायु कार्रवाई और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों की वकालत की। बढ़ती लीविंग कॉस्ट और अपनी ही पार्टी के अंदर पनपे असंतोष के अलावा कई मुद्दों पर आलोचना का सामना करते हुए, ट्रूडो ने एक कठिन चुनाव अभियान का सामना करने के बजाय पीछे हटने का विकल्प चुना।

छटपटाता रहा पाकिस्तान, लेकिन इस मुस्लिम देश को मिल गई ब्रिक्स में एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2009 में शुरू हुए ब्रिक्स का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। अब इसमें दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया का एंट्री मिल गई है। सोमवार को ब्राजील ने इसका एलान किया।

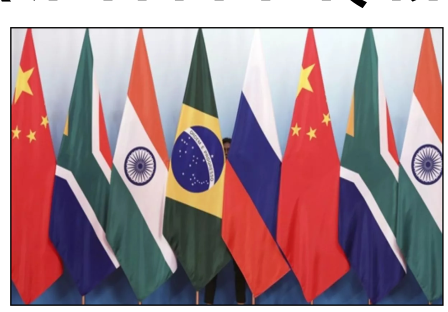

लेकिन इंडोनेशिया की एंट्री से अब पाकिस्तानी की बेचैनी बढ़ गई है। पाकिस्तान खुद लंबे समय से ब्रिक्स में शामिल होने के लिए छटपटा रहा है। इसके लिए वह कई बार चीन के दरवाजे पर कटोरा लेकर खड़ा भी हो चुका है।

इंडोनेशिया बना 11वां देश- ब्रिक्स में हिस्सा लेने वाला ब्राजील 11वां देश बन गया है। इसके पहले ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात को ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनाया गया था। इंडोनेशिया के ब्रिक्स में शामिल होने के प्रस्ताव को 2023 में जोहान्सबर्ग में हुए सम्मेलन के दौरान मंजूरी दी गई थी।

ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ब्राजील सरकार ब्रिक्स में इंडोनेशिया की एंट्री का स्वागत करती है। दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और आबादी वाले देश के रूप में इंडोनेशिया अन्य ब्रिक्स सदस्यों के साथ वैश्विक संस्थानों में सुधार का समर्थन करता है।

ब्राजील कर रहा अध्यक्षता- ब्रिक्स की अध्यक्षता इस साल ब्राजील कर रहा है। इस साल जुलाई महीने में ब्रिक्स का सम्मेलन होना है। यह समिट ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होगा। इस बार ब्रिक्स का थीम ग्लोबल साउथ है।

रमेश बिधूड़ी के बयान के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल, तेलंगाना में प्रदर्शन के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं से झड़प; एक घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ दिल्ली बीजेपी नेता रमेश बिधूड़ी ने आपत्तिजनक बयान दिया था। इस वजह से युवा कांग्रेस नेता भड़क गए और उन्होंने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भगवा पार्टी के कार्यालय पर कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें एक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गया। नारे लगाते हुए युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नामपल्ली स्थित तेलंगाना भाजपा मुख्यालय में घुसने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

राज्य भाजपा महासचिव कासम वेंकटेश्वरलु ने कांग्रेस के गुंडों पर भगवा पार्टी के कार्यालय पर हमला करने का आरोप लगाया। पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए, वेंकटेश्वरलू ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ को हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया।

इस बयान पर भड़के कांग्रेस नेता - आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कालकाजी से भाजपा के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी को हाल ही में उस टिप्पणी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के गाल जितनी चिकनी सड़कें बनाएंगे।

एच-1बी वीजा पर चल रहे बवाल के बीच अमेरिका का बड़ा कदम, भारतीयों को दी ये खास राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी अमेरिका में भारतीयों को मिलने वाले एच-1बी वीजा को लेकर जबरदस्त राजनीतिक विवाद चल रहा है। ऐसे में अमेरिकी प्रशासन की तरफ से इस वीजा को हासिल करने वाले भारतीयों को एक बड़ी राहत देने का संकेत दिया है।

अभी एच-1बी वीजा धारकों को एक निश्चित समय अंतराल पर भारत आना पड़ता है या अमेरिका से बाहर जाना पड़ता है और पासपोर्ट पर किसी दूसरे देश का स्टांप लगाना पड़ता है। तभी उनका वीजा रिन्यू होता है। अब इस बाध्यता को समाप्त करने के लिए भारत स्थित अमेरिकी दूतावास एक प्रौद्योगिक आधारित प्रायोगिक परियोजना पर काम कर रहा था। परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हो गई है और इसे नये वर्ष 2025 में लागू करने की तैयारी है।

आईटी सेक्टर के पेशेवरों को होगी सुविधा- यह जानकारी अमेरिकी दूतावास की तरफ से जारी वार्षिकी प्रपत्र में दी गई है। इस सुविधा का सबसे ज्यादा सहूलियत आईटी सेक्टर में कार्यरत भारतीय पेशवरों को होगी। अभी एक निश्चित अंतराल के बाद उन्हें किसी दूसरे देश में अमेरिकी दूतावास का चक्कर लगाना पड़ता है, जिसके लिए लंबी प्रतीक्षा सूची होती है और इसके लिए सैकड़ों डॉलर भी खर्च करने पड़ते हैं।

यौन शोषण मामले में आसाराम को राहत, सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत; लेकिन माननी होंगी ये शर्तें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम बापू को 2013 के रेप केस मामले में जमानत दे दी है। उसे यह बेल मेडिकल ग्राउंड पर दी गई है। हालांकि इस दौरान उसे समर्थकों से मिलने की इजाजत नहीं है।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आसाराम सबूत से छेड़छाड़ की कोशिश नहीं करेगा और ही किसी समर्थक से मिलेगा। जस्टिम एमएम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने यह आदेश जारी किया।

अदालत ने कहा कि 86 वर्षीय आसाराम हृदय रोग के अलावा उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। गांधीनगर कोर्ट द्वारा 2023 में दी गई आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ आसाराम ने शीर्ष अदालत में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा था। अदालत ने कहा था कि वह मामले को केवल मेडिकल ग्राउंड पर देखेगा। इसके पहले 29 अगस्त, 2024 गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम की याचिका खारिज कर दी थी। आसाराम को ट्रायल कोर्ट ने जनवरी 2023 में दोषी पाया। उसके खिलाफ एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। वह अभी एक अन्य रेप केस में राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद है।

आसाराम का बेटा नारायण साईं भी यौन शोषण के मामले में जेल में सजा काट रहा है।

PhD और नेट के विषयों से भी बन सकेंगे यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर, UG-PG की बाध्यता खत्म; यूजीसी ने बदला नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्च शिक्षा से जुड़े पाठ्यक्रमों की तरह विश्वविद्यालयों सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी अब लचीली होगी, जिसमें अब शिक्षकों की नियुक्ति सिर्फ पीएचडी और नेट के विषयों के आधार पर दी जाएगी।

अभी तक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती के लिए जो न्यूनतम पात्रता थी, उनमें ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन व पीएचडी या फिर नेट की पढ़ाई एक ही विषय में होनी जरूरी होती थी। हालांकि, अब इस बाध्यता को खत्म कर दिया है। नई व्यवस्था में उम्मीदवार ने भले ही ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई किसी भी विषय से की है, लेकिन अब वह सिर्फ पीएचडी या नेट में रखे गए विषय के आधार पर ही संबंधित विषय के शिक्षक पदों पर भर्ती के लिए पात्र होंगे।

यूजीसी ने जारी किया ड्राफ्ट- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती व पदोन्नति के नियमों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत और लचीला किया है। साथ ही इन बदलावों को लेकर एक मसौदा भी जारी किया है। इसके तहत मसौदे को अंतिम रूप देने के छह महीने के भीतर सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को इसे अपनाना होगा। इनमें विश्वविद्यालय, डीम्ड विश्वविद्यालय, स्वायत्त कॉलेज और कॉलेज भी होंगे। इसके साथ ही इस नई व्यवस्था में अब शैक्षणिक योग्यता के साथ ही उनके अनुभव और स्किल को महत्व दिया जाएगा। यूजीसी ने यह पहल तब की है, जब उच्च शिक्षा से जुड़े पाठ्यक्रमों को भी पहले के मुकाबले लचीला बनाया गया है, जहां छात्रों को कभी भी पढ़ाई छोड़ने और उसे फिर से शुरू करने का विकल्प दिया गया है।

पदोन्नति में भी स्किल को दिया जाएगा महत्व- यूजीसी ने इसके साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों से शिक्षकों की पदोन्नति में शैक्षणिक प्रदर्शन की जगह उनके स्किल और अनुभव को महत्व देने का सुझाव दिया गया है।

23 साल के यूट्यूबर का अनोखा जॉब ऑफर, कहा- ज्वाइन कर लो, टॉप मार्केट सैलरी और कमाई का हिस्सा दूंगा

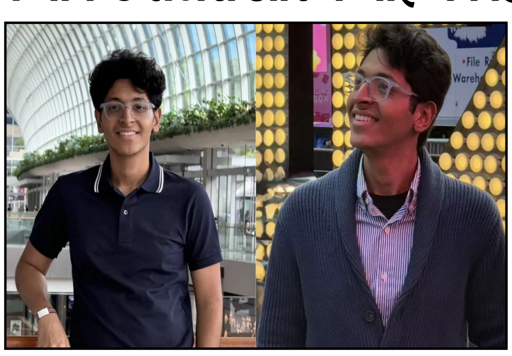

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में 23 साल के यूट्यूबर ईशान शर्मा ने एक हाई पेड सैलरी जॉब ऑफर की है। यूट्यूबर ईशान शर्मा बेंगलुरु में अपनी टीम में शामिल होने के लिए चीफ ऑफ स्टाफ की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने इसको लेकर एक्स पर एक पोस्ट किया, उन्होंने लिखा उम्मीदवार के पास कॉन्टेंट मार्केटिंग, डेटा एनालिस्ट, ट्रेंड प्रिडिक्शन, और इफेक्टिव राइटिंग स्किल में एक्सपर्टीज होनी चाहिए।

चीफ ऑफ स्टाफ पद के लिए आवेदन करने के लिए, इच्छुक उम्मीदवारों को एक वीडियो पेश करना होगा जिसमें दिखाया गया हो कि वे इस रोल के लिए आइडियल क्यों हैं।

कितना मिलेगा पैकेज- चुने गए उम्मीदवार को अत्यधिक पैकेज मिलेगा, जिसमें टॉप मार्केट सैलरी और शर्मा के रिवेन्यू का हिस्सा भी शामिल होगा। हालांकि सटीक सैलरी के आंकड़ों का अभी खुलासा नहीं किया गया है।

क्या लिखा एक्स पर- एक्स पर लिखा गया है, यह उन लोगों के लिए है, जो कंटेंट मार्केटिंग में अनुभवी हैं, डिजाइन और संपादन पर नजर रखते हैं और अट्रैक्टिव ढंग से लिख सकते हैं। आप संपादकों, डिजाइनरों और लेखकों की एक टीम का नेतृत्व करेंगे और सोशल मीडिया पर आपके द्वारा देखे जाने वाले सभी कंटेंट को बनाने में मेरी मदद करेंगे।

यूट्यूब, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन और एक्स पर आपको यह जानना होगा कि यूट्यूब स्टूडियो का इस्तेमाल कैसे करें, पिछले डेटा का विश्लेषण करें और उस प्रकार की कंटेट के रुझानों की भविष्यवाणी करें जो अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

यूट्यूबर ने आगे ये भी कहा, मैं मार्केट के हिसाब से टॉप सैलरी दूंगा मेरे रिवेन्यू का शेयर भी मिलेगा। इसे अपने किसी दोस्त को भेजें जो इसके लिए फिट हो। बेंगलुरु में मिलते हैं।

जम्मू-कश्मीर, शिमला में स्थापित हो AFT पीठ, SC ने कहा- इससे लंबित मामलों में आएगी कमी

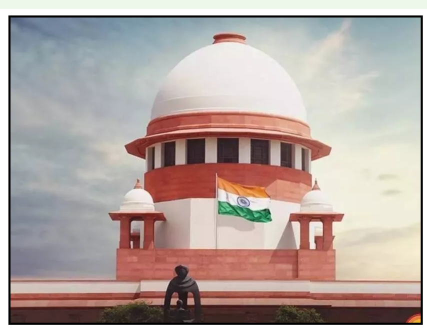

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने रक्षा संबंधी लंबित मामलों की बढ़ती संख्या से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) की पीठें स्थापित करने का सोमवार को आह्वान किया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वर्तमान में चंडीगढ़ स्थित सशस्त्र बल अधिकरण पर इन राज्यों के लंबित मामलों का भारी बोझ है।

सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी- जम्मू-कश्मीर, शिमला तथा धर्मशाला में सर्किट पीठ स्थापित करने से मामलों के शीघ्र निपटान में मदद मिलेगी। एएफटी में खाली पदों को भरने में देरी के लिए केवल केंद्र को दोषी ठहराने से इनकार करते हुए पीठ ने अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से कहा कि वे सर्किट बेंच की स्थापना की संभावनाएं तलाशें।

पीठ ने क्या कहा- शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के सदस्यों की शीघ्र नियुक्ति के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हमें ऐसी प्रणाली विकसित करनी होगी, जिससे न्यायाधिकरण में संभावित रिक्तियां होने से छह महीने पहले ही रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाए।

शीर्ष अदालत ने केंद्र से कहा कि वह न्यायाधिकरणों की कुल स्वीकृत संख्या और रिक्तियों के आंकड़े एकत्र करे तथा इन पदों को व्यवस्थित ढंग से भरने के लिए सुझाव दे। केंद्र को न्यायाधिकरणों में पदों को भरने के लिए चल रही प्रक्रियाओं का विवरण चार सप्ताह के भीतर पेश करने का निर्देश दिया गया है।

वेंकटरमणी ने कहा कि एएफटी, चंडीगढ़ के अध्यक्ष सर्किट बेंच की स्थापना पर निर्णय ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि ट्रिब्यूनल में पदों को भरने की प्रक्रिया पूरे साल चलती रहती है। एएफटी, चंडीगढ़ में रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष शुक्ल नवमी

संपादकीय

छात्रों के सर्वांगिण विकास को सुनिश्चित करने को प्रमुख लक्ष्य के रूप में रखा गया

राष्ट्रीय शिक्ष नीति 2020 में एक समग्र एवं बहु-विषयक शिक्षा प्रणाली के माध्यम से छात्रों के सर्वांगिण विकास को सुनिश्चित करने को प्रमुख लक्ष्य के रूप में रखा गया है। शिक्षा नीति के परिच्छेद 11.1 एवं 11.3 में उल्लिखित है, भारत में समग्र एवं बहु-विषयक तरीके से सीखने की एक प्राचीन परंपरा है एक समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की सभी क्षमताओं-बौद्धिक, सौंदर्यात्मक, सामाजिक, शारीरिक, भावात्मक तथा नैतिक को एकीकृत तरीके से विकसित करना होगा। विभिन्न नवाचारों के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों को छात्रों के समग्र विकास में सहायक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस क्रम में छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनका उद्देश्य छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना, विभिन्न शैक्षणिक दबाव, व्यवहार संबंधी मुद्दों, तनाव, करियर संबंधी चिंताओं, अवसाद सहित छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सभी समस्याओं का निवारण करना, छात्रों में सकारात्मक सोच और भावनाएं पैदा करना तथा छात्रों के लिए एक सकारात्मक और सहायक संरचना को बढ़ावा देना है। इसके लिए आयोग ने उच्च शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में छात्र सेवा केंद्र (एसएससी) स्थापित करने का सुझाव दिया है। इन सेवा केंद्रों का कार्य छात्रों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप शारीरिक- मानसिक सहायता उपलब्ध कराना तथा उनकी तत्संबंधी समस्याओं का समाधान करना होगा। इसके लिए छात्र सेवा केंद्रों को अपने शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक तथा संबंधित उपकरण रखने होंगे, जिससे छात्रों को ठीक प्रकार से सहायता प्रदन की जा सके। साथ ही यह सेवा केंद्र विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्रों से भी निरंतर संपर्क और सहयोग बनाए रखेंगे। दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि छात्र सेवा केंद्र समय-समय पर काउंसलिंग करियर मार्गदर्शन, शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर संवाद सत्र का आयोजन भी करेंगे। छात्र सेवा केंद्र उच्च शिक्षण संस्थानों मैं छात्रों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य एवं विकास से संबंधित विषयों के लिए एकल व्यवस्था के रूप में कार्य करेगा।

विचार करें तो बदलते समय के साथ शिक्षा क्षेत्र में छात्रों चुनौतियाँ और कठिनाइयों का स्वरूप भी बदल रहा है आज के द्रुतगामी समय के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ना छात्रों के लिए एक बड़ी चुनती है। जीवन में तकनीक के प्रवेश ने संभावनाओं के नूतन गवाक्ष अवश्य खेले हैं, किंतु उन गवाक्षों से विकास की बयार के साथ- साथ नई-नई समस्याओं के कुछ तेज झोंके भी आ रहे हैं। उदाहरण के तौर पर स्मार्टफोन और इंटरनेट ने छात्रों के लिए ज्ञान प्राप्ति के दायरे को निस्संदेह बहुत विस्तृत किया है, किंतु इसपर अतिशय निर्भरता छात्रों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य एवं विकास के लिए समस्या भी बन रही है। फोन, टैब जैसे उपकरणों पर अधिक समय देना छात्रों की शारीरिक-मानसिक गतिविधियों को कुंद कर रहा है। छात्रों की ऊर्जस्वी सक्रियता, एकाग्रता, विषय को समझने की क्षमता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जो कि उनकी शैक्षिक प्रगति को बाधित करता है। छात्र ये चीजें समझ नहीं पाते, परंतु इससे अपनी क्षति करते रहते हैं। इसके साथ ही बढ़ती उम्र के साथ अपने भीतर आ रहे शारीरिक- मानसिक परिवर्तनों को जानने-समझने के प्रति भी छात्रों में बहुधा जागरूकता का अभाव ही देखने को मिलता है। वे अपने भीतर परिवर्तन अनुभव करते हैं, नई अनुभूतियां उनके मन में जगती हैं, किंतु ऐसा क्यूँ हो रहा है और इसके साथ स्वयं को कैसे ढाला जाए, इसे वे ठीक से समझ नहीं पाते।

मोहन राकेश

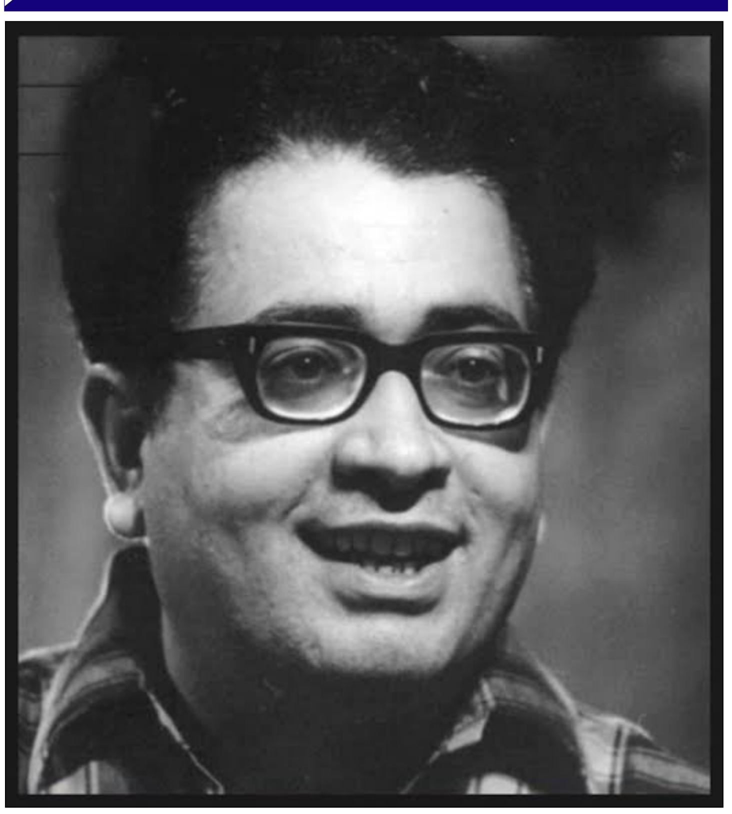

मोहन राकेश नई कहानी आन्दोलन के साहित्यकार थे। हिन्दी नाटक के क्षितिज पर मोहन राकेश का उदय उस समय हुआ, जब स्वाधीनता के बाद पचास के दशक में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ज्वार देश में जीवन के हर क्षेत्र को स्पन्दित कर रहा था। उनके नाटकों ने न सिर्फ़ नाटक का आस्वाद, तेवर और स्तर ही बदल दिया, बल्कि हिन्दी रंगमंच की दिशा को भी प्रभावित किया। आधुनिक हिन्दी साहित्य काल में मोहन राकेश ने अपने लेखन से दूर होते हिन्दी साहित्य को रंगमंच के क़रीब ला दिया और स्वयं को भारतेन्दु हरिश्चंद्र और जयशंकर प्रसाद के समकक्ष खड़ा कर दिया।

जीवन परिचय

मोहन राकेश हिंदी साहित्य के उन चुनिंदा साहित्यकारों में हैं जिन्हें 'नयी कहानी आंदोलन' का नायक माना जाता है और साहित्य जगत् में अधिकांश लोग उन्हें उस दौर का 'महानायक' कहते हैं। उन्होंने 'आषाढ़ का एक दिन' के रूप में हिंदी का पहला आधुनिक नाटक भी लिखा। कहानीकार-उपन्यासकार प्रकाश मनु भी ऐसे ही लोगों में शामिल हैं, जो नयी कहानी के दौर में मोहन राकेश को सर्वोपरि मानते हैं। प्रकाश मनु ने कहा ''नयी कहानी आंदोलन ने हिंदी कहानी की पूरी तस्वीर बदली है। उस दौर में तीन नायक मोहन राकेश, कमलेश्वर और राजेंद्र यादव रहे। खुद कमलेश्वर और राजेंद्र यादव भी राकेश को हमेशा सर्वश्रेष्ठ मानते रहे।

जन्म तथा शिक्षा

मोहन राकेश का जन्म 8 जनवरी, 1925 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उनके पिता पेशे से वकील थे और साथ ही साहित्य और संगीत के प्रेमी भी थे। पिता की साहित्यिक रुचि का प्रभाव मोहन राकेश पर भी पड़ा। मोहन राकेश ने पहले लाहौर के ओरियंटल कॉलेज से शास्त्री की परीक्षा पास की। किशोरावस्था में सिर से पिता का साया उठने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पढ़ाई जारी रखी। इसके बाद उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेज़ी में एम.ए. किया। एक शिक्षक के रूप में पेशेवर ज़िंदगी की शुरुआत करने के साथ ही उनका रुझान लघु कहानियों की ओर हुआ। बाद में उन्होंने कई नाटक और उपन्यास लिखे। बाद में अनेक वर्षों तक दिल्ली, जालंधर, शिमला और मुम्बई में अध्यापन कार्य करते रहे।

स्वतंत्र लेखन

अपनी साहित्यिक अभिरुचि के कारण मोहन राकेश का अध्यापन कार्य में मन नहीं लगा और एक वर्ष तक उन्होंने सारिका पत्रिका का सम्पादन किया। इस कार्य को भी अपने लेखन में बाधा समझकर इससे किनारे कर लिया और जीवन के अन्त तक स्वतंत्र लेखन ही इनके जीविकोपार्जन का साधन रहा। मोहन राकेश हिन्दी के बहुमुखी प्रतिभा संपन्न नाट्य लेखक और उपन्यासकार थे। समाज की संवेदनशील अनुभूतियों को चुनकर उनका सार्थक सम्बन्ध खोज निकालना उनकी कहानियों की विषय-वस्तु थी।

साहित्यिक परिचय

हिन्दी नाटकों में भारतेंदु हरिश्चंद्र और जयशंकर प्रसाद के बाद का दौर मोहन राकेश का दौर है, जिसमें हिन्दी नाटक दुबारा रंगमंच से जुड़े। हिन्दी नाट्य साहित्य में भारतेंदु हरिश्चंद्र और जयशंकर प्रसाद के बाद यदि कोई लीक से हटकर नाम उभरता है तो वह मोहन राकेश का है। बीच में और भी कई नाम आते हैं, जिन्होंने आधुनिक हिन्दी नाटक की विकास-यात्रा में महत्त्वपूर्ण पड़ाव तय किए, किन्तु मोहन राकेश का लेखन एक अलग ही स्थान पर नज़र आता है। इसलिए ही नहीं कि उन्होंने अच्छे नाटक लिखे, बल्कि इसलिए भी कि उन्होंने हिन्दी नाटक को अँधेरे बन्द कमरों से बाहर निकाला और एक नए दौर के साथ जोड़कर दिखाया।

रचनाएँ

मोहन राकेश की रचनाएँ पाठकों और लेखकों के दिलों को छूती हैं। एक बार जो उनकी रचना को पढ़ता है तो वह पूरी तरह से राकेश के शब्दों में डूब जाता है। राकेश के उपन्यास 'अंधेरे बंद कमरे', 'न आने वाला कल', 'अंतराल' और 'बाकलमा खुदा' है। इसके अलावा 'आधे अधूरे', 'आषाढ़ का एक दिन' और 'लहरों के राजहंस' उनके कुछ मशहूर नाटक हैं। 'लहरों के राजहंस' उनका सबसे विख्यात नाटक रहा। मोहन राकेश ने नाटक, उपन्यास, कहानी, यात्रा वृत्तान्त, निबन्ध आदि विधाओं में विपुल साहित्य की रचना की।

कथा साहित्य

मोहन राकेश पहले कहानी विधा के ज़रिये हिन्दी में आए। उनकी मिसपाल, आद्रा, ग्लासटैंक, जानवर और मलबे का मालिक आदि कहानियों ने हिन्दी कहानी का परिदृश्य ही बदल दिया। वे नयी कहानी आन्दोलन के शीर्ष कथाकार के रूप में चर्चित हुए। मोहन राकेश हिन्दी के बहुमुखी प्रतिभा संपन्न नाट्य लेखक और उपन्यासकार हैं। उनकी कहानियों में एक निरंतर विकास मिलता है, जिससे वे आधुनिक मनुष्य की नियति के निकट से निकटतर आते गए हैं। उनकी खूबी यह थी कि वे कथा-शिल्प के उस्ताद थे और उनकी भाषा में गज़ब का सधाव ही नहीं, एक शास्त्रीय अनुशासन भी है। कहानी से लेकर उपन्यास तक में उनकी कथा-भूमि शहरी मध्य वर्ग है। कुछ कहानियों में भारत-विभाजन की पीड़ा बहुत सशक्त रूप में अभिव्यक्त हुई है। कहानी के बाद राकेश को सफलता नाट्य-लेखन के क्षेत्र में मिली है।

नाट्य-लेखन

मोहन राकेश को कहानी के बाद नाट्य-लेखन के क्षेत्र में सफलता मिली। मोहन राकेश को हिन्दी नाटकों का अग्रदूत भी कह सकते हैं। हिन्दी नाट्य साहित्य में भारतेन्दु और प्रसाद के बाद कोई नाम उभरता है तो वह मोहन राकेश का है। उन्होंने अच्छे नाटक लिखे और हिन्दी नाटक को अँधेरे बन्द कमरों से बाहर निकाला और उसे युगों के रोमानी ऐन्द्रजालिक सम्मोहन से उबारकर एक नए दौर के साथ जोड़कर दिखाया। वस्तुतः मोहन राकेश के नाटक केवल हिन्दी के नाटक नहीं हैं। वे हिन्दी में लिखे अवश्य गए हैं, किन्तु वे समकालीन भारतीय नाट्य प्रवृत्तियों के द्योतक हैं। उन्होंने हिन्दी नाटक को पहली बार अखिल भारतीय स्तर प्रदान किया और सदियों के अलग-थलग प्रवाह को विश्व नाटक की एक सामान्य धारा की ओर भी अग्रसर किया। प्रमुख भारतीय निर्देशकों इब्राहीम अलकाज़ी, ओम शिवपुरी, अरविन्द गौड़, श्यामानन्द जालान, रामगोपाल बजाज और दिनेश ठाकुर ने मोहन राकेश के नाटकों का निर्देशन किया।

आषाढ़ का एक दिन

राकेश जी की सबसे बड़ी उपलब्धि उनका नाटक आषाढ़ का एक दिन था, जिसने नाटकों को एक नया आयाम दिया। आषाढ़ का एक दिन सन 1958 में प्रकाशित और नाटककार मोहन राकेश द्वारा रचित एक हिन्दी नाटक है। कभी-कभी इसे हिन्दी नाटक के आधुनिक युग का प्रथम नाटक कहा जाता है। सन 1959 में इसे वर्ष का सर्वश्रेष्ठ नाटक होने के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। कई प्रसिद्ध निर्देशक इस नाटक को मंच पर ला चुके हैं। 1979 में निर्देशक मणि कौल ने इस पर आधारित एक फ़िल्म बनाई, जिसने आगे जाकर साल की सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म का फ़िल्म फ़ेयर पुरस्कार भी जीत लिया।

आषाढ़ का एक दिन महाकवि कालिदास के निजी जीवन पर केन्द्रित है, जो 100 ई. पू. से 500 ईसवी के अनुमानित काल में व्यतीत हुआ। इस नाटक का शीर्षक कालिदास की कृति मेघदूतम् की शुरुआती पंक्तियों से लिया गया है, क्योंकि आषाढ़ का महीना उत्तर भारत में वर्षा ऋतु का शुरुआती महीना होता है, इसका सीधा अर्थ वर्षा ऋतु का एक दिन है।

मोहन राकेश द्वारा रचित आषाढ़ का एक दिन एक त्रिखंडीय नाटक है। इसमें सफलता और प्रेम में से एक को चुनने के संशय से जूझते कालिदास, एक रचनाकार और एक आधुनिक मनुष्य के मन की पहेलियों को रखा गया है।

जोमैटो के शेयर हुए धड़ाम, ब्रोकरेज फर्म ने घटाया टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। फूड डिलीवरी एग्रीगेटर जोमैटो के शेयर 7 जनवरी को लगभग 5 फीसदी तक गिर गए। यह ट्रेड के दौरान 251.55 रुपये के लो-लेवल तक आ गया था। इसकी वजह ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की रिपोर्ट है। जेफरीज ने जोमैटो के स्टॉक के लिए रेटिंग और टारगेट प्राइस घटा दिया है।

जोमैटो के शेयरों पर जेफरीज की राय- जेफरीज ने जोमैटो स्टॉक के लिए अपनी रेटिंग को 'Buy' से घटाकर 'Hold' कर दी है। उसने टारगेट प्राइस भी 335 रुपये से कम करके 275 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। यही वजह है कि जोमैटो के शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है।

जेफरीज ने क्यों घटाई जोमैटो की रेटिंग- ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि क्विक कॉमर्स सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, जहां से जोमैटो के मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा आता है। इस सेगमेंट में जोमैटो के ब्लिंकिट का मुकाबला स्विगी के इंस्टामार्ट, जेप्टो और अमेजन जैसी कंपनियों से है। अगर ब्लिंकिट उनसे मुकाबले के डिस्काउंट बढ़ाती है, तो उसका मुनाफा घट सकता है।

जोमैटो स्टॉक का प्रदर्शन कैसा रहेगा- जेफरीज का मानना है कि 2025 में जोमैटो के शेयरों कंसॉलिडेशन देखने को मिल सकता है, क्योंकि 2024 के दौरान इसमें दोगुने से अधिक तेजी आई थी। उसका कहना है कि स्टॉक की वैल्यूएशन ज्यादा महंगी नहीं है। बस क्विक कॉमर्स स्पेस में बढ़ती प्रतिस्पर्धा चिंता पैदा कर रही है।

जेफरीज के नोट के अनुसार, इस सेक्टर में नई कंपनियों की एंट्री से सबसे डिस्काउंटिंग की लड़ाई बढ़ सकती है, जो मीडियम टर्म की प्रॉफिटेबिलिटी के लिए खतरा पैदा कर सकती है। उसने जोमैटो के लिए EBITDA और प्रॉफिटेबिलिटी अनुमान में 15 फीसदी से अधिक की कटौती की है।

जोमैटो के शेयरों का क्या हाल है- जोमैटो के शेयरों ने साल 2024 में काफी शानदार प्रदर्शन किया है। इस दौरान इसने निवेशकों को दोगुने से अधिक रिटर्न दिया। हालांकि, पिछले कुछ समय से इसके शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। जोमैटो ने बीते एक महीने में करीब 15 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है।

लिस्टिंग के बाद शेयर खरीदने की मची लूट, पहले ही दिन 286 पर पहुंच गया शेयर

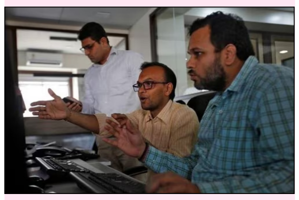

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ आज मंगलवार को शेयर बाजार में लिस्ट हो गया। कंपनी के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर शानदार लिस्टिंग हुई। कंपनी के शेयर अपने आईपीओ प्राइस बैंड 215 रुपये के मुकाबले करीबन 21 पर्सेंट तक चढ़कर 258.40 रुपये पर लिस्ट हुए। वहीं, एनएसई पर यह शेयर 19% से अधिक के प्रीमियम के साथ 256 रुपये पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयर में 11त्न की तेजी आई और यह शेयर 286.90 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए था। बता दें कि इस साल का यह पहला मेनबोर्ड आईपीओ लिस्टिंग है।

आईपीओ को मिला था रिस्पॉन्स- इंडो फार्म इक्विपमेंट के आईपीओ को गुरुवार को बोली के अंतिम दिन तक 227.57 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, 260 करोड़ रुपये की शुरुआती शेयर बिक्री में 84,70,000 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 1,92,75,49,293 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 501.65 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के कोटा को 242.40 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) की श्रेणी को 101.64 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

इंडो फार्म ने किया निराश, 19 फीसदी मिला लिस्टिंग गेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडो फार्म इक्विपमेंट के शेयरों की शेयर मार्केट में एंट्री फीकी रही। इसने निवेशकों को सिर्फ 19 फीसदी का मुनाफा दिया है। यह आईपीओ 115 रुपये के अपर प्राइस बैंड पर आया था। इंडो फार्म में लिस्टिंग के बाद तेजी दिखी और यह NSE पर दोपहर 12 बजे तक 280 रुपये पर ट्रेड कर रहा था यानी निवेशकों का कुल रिटर्न 30 फीसदी से अधिक हो गया है।

इंडो फार्म खेती से जुड़ी मशीनें बनाती है। जैसे कि ट्रैक्टर और अन्य हार्वेस्टिंग इक्विपमेंट। यह पिक एंड कैरी क्रेन भी बनाती है। इसके प्रोडक्ट नेपाल, सीरिया, सूडान, बांग्लादेश, म्यांमार जैसे निर्यात भी होता हैं। इंडो फार्म के के प्रमोटर रणबीर सिंह खडवालिया और सुनीता सैनी हैं। इंडो फार्म का बिजनेस साल 2000 में शुरू हुआ। कंपनी IPO से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल कारोबार बढ़ाने और कर्ज चुकाने के लिए करेगी।

इंडो फार्म इक्विपमेंट का रेवेन्यू वित्त वर्ष 23 में 622.84 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 647.95 करोड़ रुपये हो गया है। इसमें 4.03 फीसदी का उछाल आया है। वहीं, कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 23 में 15.37 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 15.60 करोड़ रुपये हो गया।

वित्त वर्ष 24 में PAT यानी प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स मार्जिन 4.16 फीसदी रहा। इसका डेट-टु-इक्विटी अनुपात 0.01 है। ROE और ROCE क्रमशः 5.13 फीसदी और 8.96 फीसदी हैं। कंपनी अपना कर्ज लगातार घटा रही है। यह वित्त वर्ष 23 में 280.65 करोड़ रुपये से घटाकर वित्त वर्ष 24 में 270.54 करोड़ रुपये कर रहे हैं। इसका मतलब है कि इसमें 3.60 फीसदी की कमी है।

टेक्नीकेम ऑर्गेनिक्स की BSE SME पर लिस्टिंग भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। यह 57.25 रुपये पर लिस्ट हुआ। निवेशकों को सिर्फ 4 फीसदी का मामूली लिस्टिंग गेन मिला। टेक्नीकेम ऑर्गेनिक्स ने आईपीओ से 25.25 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसका प्राइस बैंड 52-55 रुपये प्रति शेयर था।

टेक्नीकेम ऑर्गेनिक्स कई तरह के केमिकल, स्पेशिएलिटी केमिकल, पिगमेंट और डाई इंटरमीडिएट्स और एयर ऑक्सीडेशन केमिस्ट्री की मैन्युफैक्चरिंग करती है। कंपनी आईपीओ से मिले पैसों का इस्तेमाल नया प्लांट लगाने और कर्ज चुकाने के लिए करेगी।

1000 करोड़ के आईपीओ को सरकारी तेल कंपनी ने दी मंजूरी, इन दिग्गजों का भी है दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी तेल कंपनी- भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अपने ज्वाइंट वेंचर के आईपीओ को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह ज्वाइंट वेंचर- महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड है। इस ज्वाइंट वेंचर में बीपीसीएल के अलावा गेल और आईजीएल शामिल है। बीपीसीएल और गेल की 22.5% जबकि आईजीएल की 50% हिस्सेदारी है। इसके अलावा महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) का 5% स्टेक है।

1000 करोड़ रुपये का आईपीओ- करीब 1000 करोड़ रुपये के आईपीओ के जरिए महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड शेयर बाजार में एंट्री लेगी। इस संबंध में बीपीसीएल बोर्ड ने सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। बता दें कि महाराष्ट्र नेचुरल गैस एक प्राकृतिक गैस वितरण कंपनी है जो महाराष्ट्र में संपीड़ित प्राकृतिक गैस और पाइप्ड प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करती है। इसका परिचालन पुणे, पिंपरी-चिंचवाड़ और महाराष्ट्र के आसपास के क्षेत्रों पर केंद्रित है। इसका विस्तार नासिक, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी और सतारा जैसे आसपास के जिलों तक है।

ट्रांसफार्मर बनाने के लिए अब नहीं आयात करना होगा स्टील, सरकार ने किया खास इंतजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब बिजली ट्रांसफार्मर व अन्य उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले विशेष प्रकार के स्टील के आयात पर हमारी निर्भरता कम हो सकती है। सोमवार को स्टील मंत्री एच.डी. कुमारास्वामी ने विशेष प्रकार के स्टील के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम 1.1 लॉन्च किया।

विशेष प्रकार के स्टील उत्पादन के लिए तीन साल पहले भी पीएलआई स्कीम 1.0 की शुरुआत की गई थी, लेकिन कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) जैसे आठ प्रकार के विशेष स्टील के उत्पादन के लिए इस स्कीम के तहत कोई कंपनी आगे नहीं आई थी। इन स्टील के उत्पादन को घरेलू स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए पीएलआई स्कीम 1.1 के तहत इंसेंटिव पाने की शर्तों में ढील दी गई है।

मुख्य रूप से बिजली के ट्रांसफार्मर के साथ ग्रिड इन्फ्रास्ट्रक्चर में इस्तेमाल होने वाले सीआरजीओ स्टील के उत्पादन के लिए अगर कोई कंपनी 3000 करोड़ का भी निवेश करती है तो वह इंसेंटिव का हकदार होगी। पहले यह सीमा 5000 करोड़ थी। वैसे ही उत्पादन की सीमा को दो लाख टन से घटाकर 50,000 टन कर दिया गया है।

पीएलआई 1.1 के तहत आगामी 31 जनवरी तक इच्छुक कंपनियां आवेदन कर सकेंगी। पहले से पीएलआई स्कीम में शामिल कंपनियां को आवेदन की अनुमति नहीं दी गई है। पीएलआई 1.0 के तहत अब तक 18,300 करोड़ का निवेश हो चुका है जिससे 14,700 रोजगार का सृजन हुआ है।

स्टील सचिव संदीप पौंड्रिक के मुताबिक पीएलआई स्कीम की शर्तों में बदलाव कर पीएलआई स्कीम 1.1 की शुरुआत की गई है। आगामी वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2029-30 तक 1.1 स्कीम के तहत कंपनियां उत्पादन कर सकेंगी।

लगातार गिरावट के बाद अब एनर्जी शेयर ने पकड़ी रफ्तार, खरीदने की लूट, 61 पर आया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर में आज मंगलवार को 5त्न तक चढ़कर 61.82 रुपये पर पहुंच गए थे। शेयरों में बीते कई कारोबारी दिन से लगातार गिर रहे थे। सोमवार को लगातार तीसरे सेशन में टूटने के बाद यह शेयर नए साल में साल-दर-साल 9त्न से अधिक गिर गया। 2024 में शानदार रैली के बाद मौजूदा गिरावट ने निवेशकों को यह अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है कि क्या मल्टीबैगर स्टॉक में और सुधार बाकी है।

शेयरों के हाल- सुजलॉन एनर्जी का स्टॉक अपने 5 दिन, 10 दिन, 20 दिन, 30 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 150 दिन और 200 दिन के मूविंग एवरेज से कम पर कारोबार कर रहा है, जो स्मॉल और लंबी दोनों अवधि में प्राइस एक्शन के संदर्भ में इसकी मंदी की गति को दर्शाता है। मौजूदा स्तर पर, सुजलॉन एनर्जी के शेयर 12 सितंबर, 2024 को 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 86.04 रुपये से 31त्न नीचे हैं। रिन्यूएबल एनर्जी स्टॉक 14 मार्च, 2024 को 52-सप्ताह के निचले स्तर 35.49 रुपये तक गिर गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

10वीं में 75 और 12वीं में 80 अंक का होगा हर पेपर, दो नंबर वाले सवाल ज्यादा पूछे जाएंगे

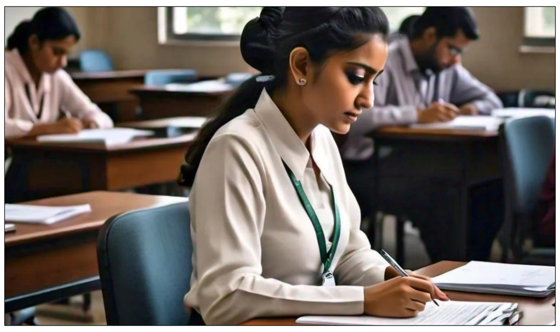

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में डेढ़ माह का समय शेष है। ऐसे में माशिमं ने प्रश्नों का पैटर्न वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इसमें अंक योजना के साथ-साथ हर प्रश्न के पैटर्न की जानकारी दी गई है।

प्रत्येक विषय के प्रश्नों का पैटर्न और अंक योजना को अपलोड किया गया है। इसमें 10वीं के प्रत्येक विषय का पेपर 75 अंक और आंतरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। वहीं, 12वीं का नॉन प्रैक्टिकल विषयों का 80 अंक और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक का होगा। वहीं, प्रायोगिक विषयों का पेपर 70 अंक का होगा और 30 अंक का प्रैक्टिकल होगा।दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के बदले दो अंकों की लघु उत्तरीय प्रश्न इस बार दोनों कक्षाओं के दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के बदले दो अंकों की लघु उत्तरीय प्रश्नों की संख्या ज्यादा होगी। वस्तुनिष्ठ प्रश्न 30 अंक के होंगे। स्कूलों में सैंपल पेपर से तैयारी कराने के निर्देश दिए गए हैं।

10वीं व 12वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाएं 16 जनवरी से आयोजित की जाएंगी। स्कूलों में सैंपल पेपर से तैयारी कराई जा रही है। अभी छमाही परीक्षा के आकलन के बाद विशेष कक्षाएं लगाई जा रही हैं।

प्री-बोर्ड परीक्षा के दिन भी कक्षाएं लगाकर सवाल हल कराए जाएंगे। राजधानी के कई स्कूलों में रविवार और त्योहार के दिन भी अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जा रही हैं। सीएम राइज स्कूलों में कमजोर विद्यार्थियों को चयनित कर उनकी जिम्मेदारी शिक्षकों को अलग से दी गई है।

सभी स्कूलों में वार्डन शिक्षक को पांच विद्यार्थियों की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों कक्षाओं में कमजोर विद्यार्थियों को चयनित किया गया है, उनकी विशेष तैयारी कराई जा रही है।एक ही स्कूल से गायब मिले 18 टीचर, नोटिस जारी किए

इस बीच, प्रदेश में लापरवाह शिक्षकों के खिलाफ भी कार्रवाई जारी है। राजगढ़ से खबर है कि स्कूल में निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होने पर जिला शिक्षा अधिकारी करण सिंह भिलाला ने शासकीय बालक उमावि करेड़ी के 18 शिक्षक-शिक्षिकाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

नोटिस में 3 दिवस के अंदर जवाब देने के लिए कहा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं देने की स्थिति में एक पक्षीय कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

काटजू अस्पताल के अधीक्षक सहित पांच पर एफआईआर, एनेस्थेसिया के ओवरडोज से महिला की मौत,

भोपाल। आठ महीने पहले नसबंदी कराने आई महिला की मौत मामले में टीटी नगर स्थित कैलाशनाथ काटजू अस्पताल के अधीक्षक सहित पांच लोगों पर केस दर्ज हुआ है। यह एफआइआर भोपाल के स्थानीय न्यायालय के आदेश पर हुआ है। एफआईआर में अस्पताल के अधीक्षक कर्नल डा. प्रवीण सिंह, तत्कालीन गाइनोकोलाजिस्ट डा. सुनंदा जैन, उनके पैरा मेडिकल स्टाफ, निश्चेतना विशेषज्ञ, लैब टेक्निशियन और मेडिको लीगल इंस्टीट्यूट की डा. केलू ग्रेवाल को आरोपी बनाया गया है।चिकित्सकीय लापरवाही आरोप है कि एनेस्थिसिया के ओवरडोज से महिला की मौत हुई। न्यायालय ने इसे चिकित्सकीय लापरवाही माना है। टीटी नगर थाने एएसआइ प्रीतम सिंह ने बताया कि विद्यानगर निवासी अविनाश गौर ने न्यायालय में परिवाद दायर किया था।

नसबंदी ऑपरेशन में मौत इसमें उन्होंने बताया कि 14 मई 2024 को सुबह वह अपनी पत्नी रीना गौर को नसबंदी ऑपरेशन के लिए कैलाश नाथ काटजू अस्पताल ले गए थे। डॉक्टरों ने आपरेशन से पहले मेडिकल जांच में सब सामान्य बताया था। ऑपरेशन शुरू हुआ तो वे घर चले गए थे।

दोपहर को उन्हें अस्पताल से फोन आया और तुरंत अस्पताल पहुंचने के लिए कहा गया। आपरेशन थियेटर के अंदर पहुंचे तो देखा कि पत्नी का पेट फूला हुआ है और दांत के बीच में जीभ फंसी हुई थी।पोस्टमार्टम कराने के लिए काफी हंगामा स्टाफ ने बताया कि रीना की मौत हो गई है। पत्नी की मौत के बाद अविनाश गौर ने पोस्टमार्टम कराने को कहा तो डॉक्टरों ने मना कर दिया। शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए काफी हंगामा हुआ। उसके बाद टीटी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया।

हमीदिया अस्पताल में डा. केलू ग्रेवाल ने शव परीक्षण किया। इसकी रिपोर्ट में डॉक्टर ने स्पष्ट मत नहीं दिया। न्यायालय ने अविनाश के दावे को सही माना। पोस्टमार्टम रिपोर्ट को गलत मानते हुए न्यायालय ने कहा कि मौत के वास्तविक कारणों को नियोजित तरीके से दबाया गया है।

ट्रिपल आईटीएम कॉलेज प्रोफेसर पर जानलेवा हमला, कार पर फायरिंग कर किया पथराव

ग्वालियर। ट्रिपल आईटीएम कॉलेज प्रोफेसर पर जानलेवा हमला, कार पर फायरिंग कर किया पथराव ग्वालियर में लंच पर घर जा रहे ट्रिपल आईटीएम कॉलेज के प्रोफेसर की कार पर फायरिंग करने का मामला सामने आया। गनीमत रही कि फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ। फायरिंग की वजह कार और बाइक की टक्कर बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कार चालक की शिकायत पर अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं। दरअसल संतोष सिंह ट्रिपल आईटीएम कॉलेज में प्रोफेसर हैं। लंच के लिए कार में सवार होकर घर जा रहे थे। तभी हजीरा थाना अंतर्गत एमएस रोड पर संतोष की कार में एक बाइक ने टक्कर मार दी। इस दौरान बाइक पर दो युवक सवार थे। संतोष ने टक्कर मारकर भाग रहे बाइक सवार दो युवकों में से एक युवक को पकड़ लिया। पकड़ में आए युवक ने मोबाइल से कॉल करके अपने साथी को कथित तौर पर महाराजपुरा से बुला लिया। स्प्लेंडर सवार युवक के साथी ने मौके पर पहुंचकर दहशत फैलाने के उद्देश्य से पथराव और फायरिंग कर दी। फायरिंग में दो गोली कार के शीशे को तोड़ते हुए आरपार हो गई, जबकि दो फायर हवा और जमीन पर किए। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर दहशत फैल गई और दोनों बाइक सवार आरोपी मौके से भाग निकले।घटना की सूचना संतोष ने पुलिस कंट्रोल रूम को दी। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मय बल के मौके पर पहुंच गए और मौका मुआयना किया। तफ्तीश के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में पथराव करने और फायरिंग करने के फुटेज मिले हैं। वहीं पुलिस ने संतोष सिंह की शिकायत पर बाइक सवार अज्ञात युवकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। साथ ही बाइक के नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान किए जाने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

इंदरगंज थाने में एक बार फिर पुलिसकर्मियों के बीच जमकर जूतम-पैजार हुई

ग्वालियर। शहर के बीचोंबीच स्थित इंदरगंज थाने में एक बार फिर पुलिसकर्मियों के बीच जमकर जूतम-पैजार हुई। थाने में तैनात एचसीएम योगेंद्र जाट ने सिपाही पवन सेंगर की पत्नी को लेकर टिप्पणी की। फिर विवाद हुआ और थाने के अंदर ही सिपाही पवन सेंगर ने जूता योगेंद्र को मारा।

दोनों के बीच थाने के अंदर मारपीट हो गई। थाने के अंदर मौजूद स्टाफ ने हस्तक्षेप कर दोनों को अलग किया। पता लगा है कि उस समय सिपाही पवन सेंगर शराब के नशे में था। यह मामला वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में भी है।पत्नी से अलग रह रहा है जवान

सिपाही पवन सेंगर सुबह थाने में ड्यूटी पर आया था। रात 10 बजे ड्यूटी के बाद वह थाने से घर खाना खाने के लिए जा रहा था। इस समय थाने के अंदर एचसीएम योगेंद्र जाट था।

एचसीएम से खाना खाने के लिए जाने की बात कही तो उसने कहा कि रात में चेकिंग पर जाना है। पवन सेंगर का कहना था- वह सुबह से ड्यूटी पर आया है, इसलिए चेकिंग पर जाने में असमर्थ है। इसी बात पर बहस हुई।

कुछ देर बाद पवन सेंगर शराब पीकर आ गया। दोनों के बीच दोबारा बहस हुई। पवन की पत्नी के अलग रहने को लेकर योगेंद्र जाट ने अमर्यादित टिप्पणी की। इसके बाद पवन ने जूता उतारकर योगेंद्र को दे मारा।

फिर दोनों के बीच झगड़ा और बढ़ गया। थाने में जमकर हंगामा हुआ। रात में ही थाना प्रभारी ने पवन सेंगर का मेडिकल कराया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। हालांकि अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

एचसीएम योगेंद्र जाट के बारे में बताया गया है कि वह 2021 से थाने में एचसीएम है। स्टाफ द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत सीएसपी इंदरगंज अशोक सिंह जादौन से की गई। सीएसपी ने योगेंद्र को एचसीएम के पद से हटा दिया था। करीब तीन माह पहले दोबारा टीआई धर्मेंद्र कुशवाह ने योगेंद्र को एचसीएम बना दिया।सट्टे को लेकर चार माह पहले थाने में चले थे जूते

चार माह पहले इसी थाने में सट्टे को लेकर रट्टा हुआ था। दरोगा अतर सिंह कुशवाह और आरक्षकों के बीच झगड़ा हुआ था। दरोगा ने पुलिसकर्मियों को मारने के लिए मंदिर में लगा त्रिशूल निकाल लिया था। इस मामले में तत्कालीन डीजीपी सुधीर सक्सेना ने संज्ञान लिया था। तीनों को 500 किलोमीटर से दूर स्थानांतरित किया गया था।

जिला, शहर और विधानसभा स्तर पर वर्ष 2047 को दृष्टिगत रखते हुए तैयार होंगे विजन डॉक्यूमेंट

इंदौर। इंदौर में वर्ष 2047 को दृष्टिगत रखते हुए जिला, शहर और विधानसभा स्तर पर भी विजन डॉक्यूमेंट तैयार होंगे। यह विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने में नागरिकों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। नागरिकों के सुझाव लेने के लिए जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन जनसंवाद कार्यक्रमों के आयोजन का सिलसिला आज से प्रारंभ हुआ। इस कड़ी का पहला जनसंवाद कार्यक्रम रविन्द्र नाट्य गृह में सम्पन्न हुआ।

इस जनसंवाद कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश राठौर सहित इंदौर नगर निगम के महापौर परिषद के सदस्य, पार्षद, शहर के प्रबुद्धजन, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण और समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर होने एवं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ-साथ मध्य प्रदेश को भी विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य से विकसित मध्यप्रदेश 2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। इस विजन डॉक्यूमेंट को तैयार करने में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जन संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त हुई नागरिकों की आकांक्षाओं, विचारों और प्राथमिकताओं को विजन डॉक्यूमेंट में सम्मिलित किया जाएगा। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 तक अपना देश विकसित देशों की श्रेणी में अग्रणी रूप से शामिल हो। प्रधानमंत्री जी के इस सपने को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इंदौर भी इस विकास यात्रा में पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि इंदौर विकसित होगा तो प्रदेश विकसित होगा। प्रदेश विकसित होगा तो देश भी विकसित बनेगा। हम इंदौर को तेजी से विकसित इंदौर की ओर आगे लेकर जा रहे है। इस विकास यात्रा में सभी प्रबुद्धजनों का सहयोग और सुझाव आमंत्रित है। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न प्रबुद्धजनों अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। कार्यक्रम का संचालन स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह ने किया। जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से फीडबैक संकलित कर राज्य स्तर पर भेजा जाएगा। तैयार किए जा रहे विकसित मध्य प्रदेश 2047 के विजन डॉक्यूमेंट के प्रारूप को जिलों के साथ साझा किया जाएगा। इस प्रारूप के आधार पर प्रत्येक जिला मध्यप्रदेश के समग्र विजन के साथ संरेखित अपना जिला स्तरीय विजन डाक्यूमेंट तैयार कर सकेगा। यह प्रक्रिया जिलों की विशेषताओं, प्राथमिकताओं और संभावनाओं को शामिल करते हुए समग्र और समावेशी विकास सुनिश्चित करेगी।

यातायात को सुगम बनाने के लिये राजस्व, पुलिस और नगर निगम के संयुक्त अमले द्वारा की गई कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश अनुसार इंदौर में यातायात सुगम बनाने हेतु राजस्व, पुलिस और नगर निगम के अमले की कार्रवाई सतत जारी है। इसी क्रम में आज जोन 18 अन्तर्गत अग्रसेन चौराहे से शंकरबाग होते हुए छावनी पुल तक ट्रैफिक के सुगम आवागमन हेतु संयुक्त कार्यवाही की गई। नगर निगम एवं पुलिस विभाग द्वारा दुकानों के सामने और सड़क पर नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 6000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। साथ ही 15 टू व्हीलर वाहनों को जप्त किया गया। इस दौरान अमले द्वारा 36 दुकानों के शेड और 20 दुकानों के सामने के ओटले हटाये गए। ट्रैफिक विभाग द्वारा लगभग 50 वाहनों को चेतावनी भी दी गई। अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में की गई इस संयुक्त कार्यवाही में एसडीएम श्री ओम नारायण सिंह, एसीपी श्री तुषार सिंह, टीआई श्री सतीश पटेल, श्री निरी परिहार, रिमूवल अधिकारी श्री बबलू कल्याणे आदि उपस्थित थे।

महिला जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

इंदौर। इंदौर में आज वन स्टॉप सेंटर और जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र द्वारा कृष्णा बाग कॉलोनी में महिला जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। सामुदायिक संवाद के माध्यम से समस्याओं पर चर्चा की गई। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें सुरक्षा, कानूनी सहायता, काउंसलिंग और पुनर्वास सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना है।

रोजगार मेले के माध्यम से मिली 125 युवाओं को नौकरी

इंदौर। राज्य शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बेरोजगार आवेदकों को एक छत के नीचे रोजगार और स्वरोजगार देने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र इंदौर के सामूहिक प्रयास से आज रोजगार मेला (युवा संगम) कार्यक्रम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नंदा नगर में आयोजित किया गया। इस मेले के माध्यम से निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में 125 युवाओं को नौकरी दिलाई गई। इस युवा संगम कार्यक्रम में 379 युवाओं ने भाग लिया।

उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि मेले में 21 कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इन्होंने साक्षात्कार लेकर 125 (39 आवेदिका 86 आवेदक) युवाओं का प्रारंभिक रूप से चयन किया। यह चयन एचआर, सेल्स एक्जिक्टिव, डिजिटल मार्केटिंग, टेलीकॉलर, बैक ऑफिस, ट्रेनी, वाहन चालक, फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्युटर ऑपरेटर, टर्नर, ऑपरेटर आदि पदों के लिए किया गया। जिला उद्योग केंद्र की प्रबन्धक श्रीमती इति शर्मा द्वारा स्वरोजगार के इच्छुक 47 आवेदकों को शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी/मार्गदर्शन दिया गया। स्वरोजगार स्थापित किये जाने एवं प्रकरण तैयार करने हेतु प्रेरित किया गया और शासन की अप्रेंटिसशिप योजना अंतर्गत 07 आवेदकों का चयन कर कंपनी में भेजे गये। संभागीय आईटीआई के प्राचार्य श्री जी एस शाजापुरकर ने आभार व्यक्त किया।

अल्तमश को जूडो में रजत पदक

इंदौर। मध्य प्रदेश जूडो एसोसिएशन द्वारा 2 जनवरी से 5 जनवरी तक आयोजित सब-जूनियर और कैडेट राज्य जूडो चैम्पियनशिप का आयोजन स्थानीय नेहरू स्टेडियम में किया गया। इस प्रतियोगिता में इंदौर के सेंट उमर हायर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 11वीं के छात्र अल्तमश खान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने कौशल के दम पर रजत पदक प्राप्त किया। अल्तमश खान ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में यह अद्वितीय सफलता हासिल की। उन्होंने अपनी कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर रजत पदक जीता। यह जीत न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि उनके कोच और स्कूल की कड़ी मेहनत का भी प्रतीक है।

शहर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने हेतु इंदौर क्लाइमेट मिशन से जुड़ा प्रेस्टीज शिक्षण समूह

इंदौर। इंदौर शहर को पर्यावरणीय स्थिरता और हरित भविष्य की दिशा में ले जाने के उद्देश्य से, प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट और रिसर्च ने इंदौर क्लाइमेट मिशन के साथ साझेदारी की है। प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. डेविश जैन ने इस पहल की घोषणा करते हुए इसे शहर के लिए एक मील का पत्थर बताया।

इंदौर क्लाइमेट मिशन, जिसे इंदौर नगर निगम और एनर्जी स्वराज फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जा रहा है, का उद्देश्य अगले 100 दिनों के भीतर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाना और इंदौर को विश्व का अग्रणी जलवायु-संवेदनशील शहर बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. चेतन सोलंकी, जिन्हें भारत के सोलर मैन के रूप में जाना जाता है, ने मिशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम जनवरी से मार्च 2025 के बीच बिजली खपत में 2024 की इसी अवधि की तुलना में 20त्न की कमी लाने के लिए कार्य करेंगे।

अलौकिक दर्शन विष्णु सहस्त्रनाम और पुरुसुक्त का सामूहिक वचन, कीर्तन पदाधिकारी की बैठक

इंदौर। भगवान विष्णु की भव्य 11 फीट आलौकिक प्रतिमा की ऐतिहासिक शोभायात्रा इंदौर से शुरू होगी। 235 किलोमीटर की इस यात्रा में पर्यावरण संरक्षण और समाज को सनातन संस्कृति से जोड़ने आदि कई जागरूकता संदेश दिए जायेगे।इस दिव्य शोभायात्रा के लिए दो दर्जन से ज्यादा समिति बनाई है जिसमें 80 से ज्यादा पदाधिकारी को नेतृत्व सोपा गया है। 7 जनवरी की शाम को मनोहरी दिव्य रथ इंदौर पहुंचेगा।

पूज्य लोकेशानंद जी महाराज के सानिध्य में रानी सती मंदिर में9 जनवरी को निकालने वाली ऐतिहासिक शोभायात्रा की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। शेष शय्या पर भगवान नारायण श्री हरि की पंचधातुमय 21 टन प्रतिमा का के दिव्य दर्शन इंदौरवासियों को राजवाड़ा पर होगे। इंदौर से महाराष्ट्र के शहादा तक 235 किलोमीटर की भव्य शोभायात्रा सुसज्जित रथ पर निकल जाएगी, यात्रा मार्ग में विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग समितियां बनाई गई है और भक्तों को दायित्व सौंपे पर गए हैं। बैठक की शुरुआत विष्णुसहस्त्रनाम और पुरुषूक्त का सामूहिक वाचन के साथ हुई। महाराज लोकेशानंद जी ने

समाज के हर वर्ग से लोगो को जोड़ने के साथ ही अनुशाषित और आदर्श यात्रा निकलने का संकल्प दिलाया

यात्रा पूर्ण अनुशाषित और सुचारु रूप से चल इसके लिए अलग से व्यवस्थाओं पर जानकारी ली गई। बड़ी संख्या में सनातन धर्मवलम्बी इस यात्रा से जुड़ने के ली संपर्क भी कर रहे है वाहनों का काफिला व्यवस्थित चले, ट्रैफिक , कोई व्यवधान ना हो इसाक विशेष ध्यान रखा जाएगा।बैठक में इंदौर से सेंधवा तक यात्रा मार्ग व्यवस्था समिति ,परिवहन और यातायात व्यवस्था समिति ,चल समारोह व्यवस्था ,भोजन व्यवस्था ,महिला मंडल व्यवस्था समिति ,भोजन व्यवस्था, भजन एवं सामाजिक सरोकार संदेश देने वाली समिति, आदि का गठन किया गया। प्रमुख दायित्व प्राची महेंद्र अग्रवाल , नितिन भावना अग्रवाल , आनंद गर्ग, अजय कैलाशचंद गोयल , मणिकांत गुप्ता , राजपाल सिसोदिया ,अर्पित पाटोदी, अरविन्द अग्रवाल ,संतोष अग्रवाल आदि को सौंप गए।

इन शहरों से होकर गुजरेगी यात्रा

श्री नारायण भक्ति पंथ सिंदोड़ा के सद्गुरु लोकेशानंद महाराज ने बताया कि 09 जनवरी को भगवान श्री विष्णु की शेषशायी स्वरुप की इस मूर्ति के दिव्य दर्शन इंदौर के राजवाड़ा चौक में सुबह 9.30 बजे किए जा सकेंगे। यहीं से दर्शन - पूजन के बाद यह मूर्ति भव्य शोभायात्रा के साथ वाहन के जरिये 235 किमी का सफर तय कर 11 जनवरी को शहादा पहुंचेगी। मार्ग में राऊ, महू, मानपुर, ठीकरी, बरुफाटक, जुलवानिया, गुजरी, सेंधवा, निवाली, पानसेमल, खेतिया आदि स्थानों पर यात्रा का स्वागत किया जाएगा। यात्रा का रात्रि पडाव 09 जनवरी को धामनोद व 10 जनवरी को सेंधवा में रहेगा।

उन्होंने बताया कि मूर्ति की लंबाई 11 फीट और वजन 21 टन है। जयपुर के कारीगरों ने इसे आकार दिया है। इस विशेष शोभायात्रा की दिव्या बैठक रविवार 5 जनवरी को 11 बजे पूर्वी क्षेत्र के रानी सती मंदिर पर रखी गई है जिसमें सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु एवं सेवादार शामिल होंगे जिन्हें यात्रा मार्ग के अलग-अलग दायित्व शो पर जाएंगे।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित
संपादक मंडल
श्री संजय ज्ञानी
संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास
संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य
कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा
उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय
विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव
विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे
ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर
संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर
संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी
विशेष प्रतिनिधि

अवन्तिकायाम विहितावतारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

आयुष्मान महा अभियान के तहत 08 व 09 जनवरी को आंगनवाड़ीवार विशेष अभियान संचालित किया जायेगा

उज्जैन । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि, आयुष्मान भारत ''निरामयम'' मध्यप्रदेश अभियान अन्तर्गत शासन के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम उज्जैन सीमा क्षेत्र मे निवासरत ऐसे नागरिक जिनकी आयु 70 वर्ष हो चुकी है, को आयुष्मान योजना का लाभ दिये जाने हेतु पंजीयन किये जाने की कार्यवाही अन्तर्गत बुजुर्गो एवं श्रमिकों का सम्मान आयुष्मान महा अभियान दिनांक 08 व 09 जनवरी 2025 को आंगनवाड़ीवार विशेष अभियान संचालित किया जायेगा।

प्रत्येक आंगनवाड़ी क्षेत्रान्तर्गत पदस्थ किये गये आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/आशा कार्यकर्ता/ सी.एच.ओ. डोर टू डोर सर्वे कर उक्त योजना के लाभ से वंचित हितग्राहियों का शतप्रतिशत आयुष्मान पंजीयन हेतु मोबाईल एप के माध्यम से आयुष्मान पंजीयन सुनिश्चित करेंगे।

उक्त अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर द्वारा श्री संदीप शिवा अपर आयुक्त नगर पालिक निगम उज्जैन को अभियान का नोडल अधिकारी, उनके सहयोग हेतु श्रीमती आरती खेड़ेकर उपायुक्त नगर निगम को नियुक्त किया गया है। साथ ही श्री साबिर अहमद सिद्धिकी जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग व श्री अषोक कुमार पटेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला उज्जैन को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग व नगर पालिक निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 07 जनवरी को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज ऑडिटोरियम उज्जैन में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे श्री संदीप शिवा अपर आयुक्त नगर पालिक निगम उज्जैन, श्रीमती आरती खेड़ेकर उपायुक्त नगर निगम, डॉ.अशोक कुमार पटेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्री साबिर अहमद सिद्धीकी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग एवं डॉ.आदित्य माथुर आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी भी उपस्थित थे।

उज्जैन सुपर किंग्स ने जीती बॉक्स क्रिकेट लीग बिना एक भी मैच हारे विजेता का खिताब अपने नाम किया

उज्जैन। उज्जैन ब्रांच ऑफ़ सीआईआरसी ऑफ़ आईसीएआई ने आईपीएल की तर्ज पर बॉक्स क्रिकेट लीग का आयोजन किया। इस आयोजन में शहरभर के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

ब्रांच के चेयरमैन सीए भावेश नेरकर ने बताया कि उज्जैन सुपर किंग्स ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए बिना एक भी मैच हारे विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस विजेता टीम के मालिक सीए सौरभ सोडानी और सीए जितेंद्र थानी थे। विजेता टीम के खिलाड़ी सीए सौरभ सोडानी, सीए अंकुश जैन, सीए शुभम भावसार, सीए कीर्ति साँवरिया, हसन चौबारावाला, जय सोलंकी, लक्की जैन रहे। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट) का खिताब हसन चौबारावाला को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया। कार्यक्रम के दौरान नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें नए बने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मानपूर्वक स्वागत करते हुए कहा कि नए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पेशे की नई ऊर्जा हैं, और उनके योगदान से संस्था को और मजबूती मिलेगी। साथ ही, नव-निर्वाचित सीसीएम सीए पंकज शाह इंदौर और आरसीएम सीए अंकुश जैन का भव्य स्वागत किया गया। ब्रांच की ओर से उन्हें फूल-माला देकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन ने उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व की सराहना की। इस आयोजन को सफल बनाने में वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सीए अवनीश गुप्ता, सीए सुभाष नेरकर, सीए रुचिन अग्रवाल, सीए वीरेंद्र लढ़ा, सीए संजय अग्रवाल, सीए आदित्य नामजोशी, सीए चंद्रेश जैन, सीए अरविंद मंत्री, सीए राजेश अग्रवाल, सीए राजेश सिंगी का विशेष योगदान रहा। इन सभी ने अपने अनुभव और समर्पण से इस आयोजन को यादगार और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 6 टीमों ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया, जिन्हें 11 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने खरीदा।

भारतीय स्वर्णकार समाज ने किया उपमुख्यमंत्री का अभिनंदन

उज्जैन। भारतीय स्वर्णकार समाज प्रदेश अध्यक्ष डॉ हितेश दिल्लीवाल द्वारा समाज की ओर से उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को चांदी का स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। डॉ. दिल्लीवाल के अनुसार उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा को भोपाल स्थित उनके निवास पर पहुंचकर नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए समाजहित में चर्चा की गई।

सनातन धर्म जागरण परिषद का प्रांतीय अधिवेशन संपन्न

उज्जैन। सनातन धर्म जागरण परिषद, मध्य प्रदेश का प्रांतीय अधिवेशन उज्जैन के होटल विक्रमादित्य, इंदौर रोड पर संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में धर्म जागरण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय जी पटेल चिकली (पूर्व जिला पंचायत सदस्य), प्रदेश संगठन मंत्री श्री अशोक राठौड़, और संयोजक श्री विजय द्विवेदी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विवेक जोशी (भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष) ने कहा, जहां सनातन है, वहीं शांति है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है।मुख्य वक्ता श्री अखिलेश जी महाराज ने कहा, सनातन धर्म विश्व का सबसे प्राचीन धर्म है। इसे मिटाने के कई प्रयास हुए, लेकिन यह धर्म तब भी था, आज भी है और आगे भी रहेगा।विशेष अतिथि के रूप में भाजपा महामंत्री श्री संजय अग्रवाल, श्री सत्यनारायण खोईवाल, भाजपा उपाध्यक्ष श्री आनंद खींची, और अन्य नेताओं ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

अधिवेशन में भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्षों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में वीरेंद्र आंजना, मुक्तक गोस्वामी, सतीश जिंदल, विक्रम परिहार, अजय तिवारी, रितेश जटिया, विजय सिंह चौहान, हरीश सोलंकी, परेश कुलकर्णी, और मुकेश पोरवाल सहित अन्य शामिल थे।

सच्ची खुशी और आनंद केवल निरंकार प्रभु में समाहित संत निरंकारी सत्संग भवन पर हुआ सत्संग

निरंकारी प्रचारक वाधवानी ने सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज का संदेश सुनाया

उज्जैन। नववर्ष केवल एक नम्बर परिवर्तन है। वास्तविकता में यह केवल इंसानी मस्तिष्क की बनाई गई अवधारणा है। परमात्मा ने समय और सृष्टि को बनाया है, जिसमें अलग-अलग ग्रहों पर समय की अलग अवधारणा होती है इसलिए, नये वर्ष का अर्थ हर क्षण को सार्थक बनाना है। इस नये वर्ष में हमें अपने पुराने अनुभवों से सीख लेकर, अपने भीतर की कमियों को सुधारते हुए, अच्छाइयों को अपनाना चाहिए। मानवीय गुणों से युक्त जीवन ही सच्चा जीवन है। पंवासा, मक्सी रोड स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर आयोजित सत्संग में निरंकारी प्रचारक मनोहर लाल वाधवानी ने नये साल की शुभकामनाएं देकर सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज का संदेश सुनाते हुए कहा कि सच्ची खुशी और आनंद केवल निरंकार प्रभु में समाहित है। इस नये वर्ष में हमें अपने जीवन को ऐसा बनाना है कि हम हर व्यक्ति तक इस सच्चाई को पहुंचा सकें। हमें अपने जीवन को इस तरह ढालना है कि हर पल, हर कार्य में प्रभु की महत्ता को समझ सकें। सेवा, सुमिरण और संगत का वास्तविक अर्थ तभी प्रकट होगा, जब हम इसे दिल से अपनाएंगे। केवल मित्रता या सामाजिक दबाव के कारण अपनी आध्यात्मिकता में परिवर्तन नहीं करना चाहिए। सच्चे मन और जागरूकता से ही हम अपने जीवन को परमात्मा से जोड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए, हर कार्य में निरंकार को समाहित करना जरूरी है।

यही वह मार्ग है, जो हमारे जीवन में आध्यात्मिक जागरूकता और संतोष का विस्तार करता है। इस नये वर्ष में हमें अपने पुराने अनुभवों से सीख लेकर, अपने भीतर की कमियों को सुधारते हुए, अच्छाइयों को अपनाना चाहिए। मानवीय गुणों से युक्त जीवन ही सच्चा जीवन है। मीडिया सहायक विनोद गज्जर ने बताया कि संत निरंकारी मिशन आध्यात्मिक सांझा मंच है, इसलिए निरंकारी भवन पर होने वाले सत्संग कार्यक्रमों में कोई भी आ सकता है।

व्यंग्यकार मुकेश जोशी को मिला म.प्र. लेखक संघ का सम्मान

उज्जैन। वरिष्ठ व्यंग्यकार, पत्रकार मुकेश जोशी को मध्यप्रदेश लेखक संघ भोपाल द्वारा मानस भवन में आयोजित 31वें वार्षिक समारोह में व्यंग्य विधा के लिए सरदार दिलजीत सिंह 'रील' सम्मान प्रदान किया गया। श्री जोशी को यह सम्मान भव्य आयोजन में पूर्व सांसद एवं मानस भवन के अध्यक्ष पं. रघुनंदन शर्मा, रविन्द्रनाथ टैगौर वि.वि. के कुलपति संतोष चौबे, डॉ. उमाकांत पचौरी, मध्यप्रदेश लेखक संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी, डॉ. रामवल्लभ आचार्य, ऋषि शृंगारी, मनीष बादल, डॉ हरिमोहन बुधोलिया आदि ने प्रदान किया। सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह, शाल, श्रीफल और सम्मान राशि प्रदान की गई। समारोह का प्रारंभ वन्दे मातरम् गान तथा सरस्वती वंदना से हुआ जिसे मधुर शर्मा एवं साथियों ने प्रस्तुत किया। स्वागत उद्बोधन राजेन्द्र गट्टानी ने तथा आभार प्रदर्शन ऋषि श्रंगारी ने किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com